निफ्ट के विद्यार्थियों ने नेशनल और इंटरनेशनल कंपनियों में सीखे गुर

फैशन डिजाइनिंग के 32 विद्यार्थियों ने जून में पूरी की औद्योगिक इंटर्निशिप

संवाद न्यूज एजेंसी

मोहाली। फेज-1 स्थित नॉर्दर्न इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) में मंगलवार को फैशन डिजाइन के छात्रों ने इंटर्निशप के दौरान उद्योग में किए गए काम का प्रदर्शन किया।

फैशन डिजाइनिंग के 32 विद्यार्थी जून में 45-60 दिनों के लिए औद्योगिक इंटर्निशिप के लिए गए थे। इस दौरान उन्होंने नेशनल और इंटरनेशनल ब्रांड जैसे जारा, जेसी पेनी, एच एंड एम, अवासा, ट्रेंड्स, ट्र

ट्रेंड्स में प्रबंधन जाना



मैंने रिलायंस ट्रेंड्स में इंटर्निशप की, जिसने मुझे फैशन रिटेल उद्योग में व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया। वहां ग्राहक संतुष्टि मुल्यांकन, प्रचार रणनीति,

फैशन उद्योग की जानकारी, टीमवर्क और संचार, नेतृत्व कौशल, उद्योग-विशिष्ट कौशल और परियोजना प्रबंधन की जानकारी हासिल की। - तन्नु राणा, छात्रा फैशन डिजाइनिंग



निफ्ट में अपने प्रोजेक्टों के साथ फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थी। संवाद

बाजार के रुझानों को समझ डिजाइनों को निखारा

मैंने पियर ग्लोबल एक्सपोर्ट्स लिमिटेड में इंटर्निशिप की। वहां बीता समय अमूल्य और अनुभवी था। मेरे संग्रह के लिए धारियों की थीम एक अनूठा और चुनौतीपूर्ण अनुभव था। वहां से मिली मदद की सराहना करती हूं। बाजार के रुझान समझने से लेकर अपने डिजाइन को निखार। -स्नेहा बंसल, खात्रा फैशन डिजाइनिंग



इंटर्निशिप में बिताए पल रहे जादुई

सीआश में इंटर्निशप बेहतरीन मौका था। कंपनी में बिताए दो महीने खास व जादुई रहे। मैं उन सभी का शुक्रिया अदा करना चाहती हूं, जिन्होंने मार्गदर्शन और समर्थन दिया और मेरी राय को महत्व दिया। प्राप्त कौशल और ज्ञान का सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करने का प्रयास करूंगी। -नैंसी श्रीवास्तव, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

जारा स्पेन के लिए किया काम

मैंने सीटीए अपैरल नोएडा में दो महीने की इंटर्निशिप की। वहां जारा स्पेन 2025 फॉर मेन्स वियर के लिए काम किया। वहां मैंने करीब 150 शर्ट को डिजाइन कीं, जिनमें



से 100 का चयन किया गया है और 2025 में उन्हें स्पेन जारा में बेचा जाएगा। - कुमुद गुप्ता, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

टेस्ट के मुताबिक जाना महत्व



रिलायंस ट्रेंड में अपनी इंटर्निशप की, जहां डिजाइन प्रक्रिया की पेचीदिगयों को सीखा, अवधारणा विकास से उत्पादन तक और आधुनिक उपभोक्ताओं की बदलती

आवश्यकताओं और वरीयता को पूरा करने के लिए डिजाइन तैयार करने के महत्व को समझा। साथ ही जाना कि सफल फैशन ब्रांड वे हैं जो वास्तव में अपने ग्राहकों को सुनते हैं, उनकी इच्छाओं को समझते हैं, और ऐसे उत्पाद बनाते हैं जो व्यक्तिगत स्तर पर साथ प्रतिध्वनित होते हैं। – नेहा राजपूत, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

विद्यार्थियों ने पुराने कपड़ों को दिया न्यू लुक

निफ्ट में फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने अलग-अलग थीम पर ड्रेस तैयार कर किया रैंप वॉक

संवाद न्यूज एजेंसी

मोहाली। फेज-1 स्थित नॉर्दन इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफ्ट) में फैशन डिजाइनिंग के विद्यार्थियों ने प्राने कपड़ों को न्यू लुक दिया। विद्यार्थियों ने एक प्रोजेक्ट के चलते पराने कपड़ों को जोड़कर एक-एक ड्रेस तैयार की और इसी को पहनकर रैंप पर मॉडलिंग की। सभी विद्यार्थियों ने अपनी डेस के एक थीम के अंतर्गत बनाया और ड्रेस के माध्यम से समाज को संदेश भी दिया।

सभी विद्यार्थियों की डेस ने अध्यापक और वहां मौजूद दूसरी स्ट्रीम के छात्रों पर गहरा प्रभाव डाला। फैशन डिजाइनिंग की एचओडी ने बताया कि इन वेस्टर्न कपड़ों के उपयोग से भी नए फैशन की खोज करना ही फैशन है। प्रोजेक्ट का मुख्य उद्देश्य बच्चों को रचनात्मक तरह से सोचने पर मजबूर करना था, जिस पर सभी बच्चे खरे उतरे।

पुराना डेनिम गाउन में बदला



डेस से किया कला व महिला सशक्तिकरण का समर्थन

ही बाजु को भी जोड़ा और हटाया जा सकता है। - नेहा राजपूत, छात्रा फेशन डिजाइनिंग

मैंने भारतीय कला और महिला सशक्तिकरण का समर्थन करने के लिए

महिलाएं क्रोशिया के दकड़े लगभग 30 से 50 रुपये प्रति ट्रकड़ा बनाती हैं,

और बड़ी कंपनियां 2000 रुपये से अधिक में बेचती हैं। मेरी डेस से लोगों

में जागरूकता आए। मैंने यह पोशाक कई मौकों के लिए बनाया है, जो पूरी

तरह से अलग हो जाता है। यदि पार्टी के लिए तैयार होना है तो ड्रेस में ट्रेल

जोड़ सकते हैं और यदि आप क्लब जाना हो तो उसे हटा सकते हैं । साथ

अपनी पोशाक में क्रोशिया इस्तेमाल किया है। क्योंकि भारतीय गांवों में

मेरी ड्रेस की थीम, रीगल रिवाइवल पर थी, जिसमें लेस फैब्रिक का उपयोग करके डेनिम को गाउन में बदला है। जो एक रचनात्मक

और शिष्टता की प्रतिनिधित्व है। डेनिम, एक ऐसी सामग्री जो अपनी मजबूत लचीलापन और कालातीत अपील के लिए जानी जाती है। लेस फैब्रिक को शामिल करने से नाज़क कलात्मकता और परिष्कार का स्पर्श मिलता है, जो जटिल पैटर्न और डेनिम की मजबत प्रकृति के लिए एक नरम, संदर कंटास्ट के साथ परिधान को बढ़ाता है। यह फ्यूजन न केवल डेनिम के जीवन को बढ़ाता है बल्कि पारंपरिक सामग्रियों को शानदार, एक-एक तरह के टुकड़ों में कैसे बदला जा सकता है, इस पर एक नया दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। छवि, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

ड्रेस पर दर्शाई ब्रह्मांड की सुंदरता



मैंने सेलेस्टियल एलिगेंस के साथ अपनी डेस पर ब्रह्मांड की अलौकिक संदरता को दर्शाया है। यह संग्रह ब्रह्मांड के विस्मयकारी तत्वों का अनुवाद करता है-जैसे

कि सितारों की ज़िलमिलाती रोशनी, ग्रहों के छल्लों के संदर वक्र और नेब्ला की रहस्यमयी गहराई। गहरे नीले, चमकदार चांदी और इंद्रधनुषी रंगों के एक सावधानीपूर्वक क्युरेट किए गए। इस संग्रह का प्रत्येक दकड़ा ब्रह्मांड की भव्यता और रहस्य को श्रद्धांजलि है, जिसे सांसारिक क्षेत्र में खगोलीय आश्चर्य का स्पर्श लाने के लिए डिजाइन किया गया है। -खशी नागपाल, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

ड्रेस से आज कल के फीके पड़ने वाले प्यार को दर्शाया



मेरी इेस जैसे ऊपर से नीचे जाते-जाते रंग फीके हो गए. वैसे ही आज कल लोगों के बीच प्यार फीका पडने लगा है। डेनिम बोडिस, अपने फीके आकर्षण के साथ, और गाउन, अपनी

अलौकिक शान के साथ, इस थीम को मूर्त रूप देता है। -ऋषिका गंगावत, छात्र फैशन डिजाइनिंग

महिला सशक्तिकरण का दिया संदेश



मेरी डेस की थीम एक यौन अत्याचारों को सहने के बाद अपनी नारीत्व को पुनः प्राप्त करने वाली एक महिला पर केंद्रित है। उसकी यात्रा केवल जीवित रहने के बारे में नहीं है, बल्कि सार को पुनः प्राप्त करने और दर्द को ताकत में बदलने के बारे में है। वह भयंकर प्रतिशोध और नाजुक आत्म-संशक्तिकरण के द्वंद्व को मूर्त रूप देती है, जो पीडित होने की कहानियों को

चुनौती देती है। बदला लेने की दिशा में वह जो भी कदम उठाती है, वह अपनी पहचान को फिर र्स स्थापित करने की दिशा में भी एक कदम है। - शहबाज, छात्र फैशन डिजाइनिंग

डेनिम से बनाया मरमेड सिल्हट गाउन



मैंने मरमेड सिल्हट गाउन में डेनिम और ब्रोकेड का संयोजन विद्रोह के संकेत के साथ आधिनक लालित्य की भावना को जगाता है, जो किसी विशेष कार्यक्रम में फैशन-फ़ॉरवर्ड स्टेटमेंट के लिए एकदम सही है। गाउन का डेनिम हिस्सा शरीर के ऊपरी हिस्से, बस्ट से कमर तक के लिए इस्तेमाल किया गया। जबकि कमर से घटनों तक ब्रोकेड पहनने

वाले के कर्व्स पर जोर दिया। ब्रोकेड और डेनिम घुटनों पर नाटकीय रूप से एक साथ वहेंगे और फैलेंगे, जो आधुनिक सिल्हट में एक शाही स्पर्श जोड़ेंगे। डेनिम दस्ताने इस सुरुचिपूर्ण ढंग से सिलवाए गए गाउन की संदरता को बढ़ाएंगे। - खशी बियानी, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

मेरा परिधान है मिक्स मैच : कालातीत व समकालीन डिजाइन



मेरी थीम स्टीमपंक है, जिसका मतलब विक्टोरियन युग में भाप से चलने वाली औद्योगिक मशीन हैं। मेरा परिधान उनका

मिक्स मैच है। मैंने विक्टोरियन युग से कोसेंट और ट्रेल लिया है। स्टीम मशीनों से पहिए, गियर व चेन लगाई। -श्रेया, छात्रा फैशन डिजाइनिंग



मैंने जीवन की क्षणभंगुर प्रकृति और नवीनीकरण की सुंदरता से प्रेरित एक अवधारणा, एक फैशन संग्रह में तब्दील किया है। संग्रह में ऐसे डिजाइन दिखाए गए हैं जो कलातीत और समकालीन दोनों हैं,

जिसमें क्लासिक सिल्हट को नवीन सामधियों और तकनीकों के साथ मिश्रित किया गया है। समग्र सौंदर्यबोध संयमित लालित्य का है, जिसमें विद्रोह का एक सुक्ष्म संकेत है जो फैशन की क्षणभंगूर प्रकृति को दर्शाता है। -स्नेहा बंसल, छात्रा फैशन डिजाइनिंग

निफ्ट के छात्राओं ने भारतीय रसोई से प्रेरित फैशन ट्रेंड्स का किया अनावरण

संवाददाता जागरण, मोहाली : फेज-1 स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलाजी (निफ्ट) के छात्रों ने आगामी फैशन ट्रेंड्स को मसालों और अमूल दूध की मशहूरी से प्रेरणा लेते हुए अपनी फैशन की कल्पना को चित्र पर दर्शाया।

इस प्रोजेक्ट के तहत छात्रों ने भारतीय रसोई के मसालों और अमूल के उत्पादों के रंगों, टेक्सचर और पैटर्न से प्रेरणा लेकर भविष्य के फैशन कलेक्शन को डिजाइन किया है। यह प्रोजेक्ट न केवल भारतीय किचन के मसालों और अमूल उत्पादों से प्रेरित है बल्कि यह फैशन की एक नई दिशा भी पेश करता है। निफ्ट के छात्र अब यह दिखा रहे हैं कि फैशन और कला का कोई निश्चित ढांचा नहीं होता, प्रेरणा कहीं भी, किसी भी रूप में मिल सकती है, और यही इस प्रोजेक्ट का मुख्य संदेश है।जो 2025 और 2026 के फैशन में नया बदलाव लाने योग्य है। निफ्ट के फैशन डिजाइन की एचओडी नवदीप कौर ने बताया कि छात्रों ने रसोई से जुड़े मसालों जैसे हल्दी, केसर, मिर्च, इलायची और जीरे के रंगों को अपने



निफ्ट की स्टूडेंट्स और अध्यापक अपने प्रोजेक्ट को दर्शाते हुए • नागरण

मैंने मसाले के लिए विज्ञापन बोर्ड बनाया, जिसमें मसाले को हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कहानी के रूप में पुन: कल्पना किया। मैंने भावनाओं को एक कहानी के रूप में प्रस्तुत किया जिसमें मैं दर्शाया कि होस्टल में रहते घर के खाने की याद आने पर घर के खाने की याद आना और फिर मसालों का उपयोग कर घर के स्वाद को याद करना था। मसालों के रंग और डिजाइन को मैंने अपने चित्र और फैशन में ढाला।

-नेहा राजपूत, छात्रा

मैंने प्रोजेक्ट में प्रिंट डेवलपमेंट के लिए काफी और अन्य डेयरी उत्पादों से प्रेरणा ली। मेरे बचपन की यादगार टीवी मशहूरी अमूल दूध में आने वाली गाएं और काफी का मिश्रण कर मैंने रंग और पैटर्न्स बनाए। इसमें मैंने चार डिजाइन अलग–अलग पैटर्न में दर्शाए हैं।

-तनु राणा, छात्रा

डिजाइनों में शामिल किया। जो फैशन को न सिर्फ समृद्ध और गतिशील बनाते हैं बल्कि इन रंगों में एक गहरी

सांस्कृतिक जड़ भी दिखती है। छात्रों को दिए प्रोजेक्ट को कई बिंदुओं के आधार पर दिया गया था।